विषय - हिंदी

समय:३ घंटे

पूर्णांक : ८०

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(1) सूचना के अनुसार गद्य,पद्य की सभी कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित हैं।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
(3) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।
(4) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग - १: गद्य - (अंक: २०)

कृति: १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए: (६)

दादी ने नरक चौदस के दिन आटे के दीप बनाकर मुख्य द्वार से लेकर हर कमरे की देहरी जगमगा दी थी। घर पकवान की खुशबू से तरबतर था। गुझिया,पपड़ी,चकली आदि सब कुछ था। मगर दस वर्षीय उषा को तो चॉकलेट और बंगाली मिठाइयाँ ही पसंद थीं। दादी कहती हैं कि- "तेरे लिए तेरी पसंद की मिठाई ही आएगी। यह सब तो पड़ोसियों, नाते-रिश्तेदारों, घर आए मेहमानों के लिए हैं।"

आटे के दीपक कंपाउंड की मुंडेर पर जलकर सुबह तक बुझ गए थे। उषा जॉगिंग के लिए फ्लैट से नीचे उतरी तो उसने देखा पूरा कंपांउड पटाखों के कचरे से भरा हुआ था। उसने देखा, सफाई करने वाला बबन उन दीपों को कचरे के डिब्बे में न डाल अपनी जेब में रख रहा था। कृशकाय बबन कंपांउड में झाड़ू लगाते हुए रोज उसे सलाम करता था।"तुमने दीपक जेब में क्यों रख लिए?" उषा ने पूछा।"घर जाकर अच्छे से सेंककर खा लेंगे, अन्न देवता हैं न।" बबन ने खीसे निपोरे।

उषा की आँखे विस्मय से भर उठी। तमाम दावतों में भरी प्लेटों में से जरा- सा टूँगने वाले मेहमान और कचरे के डिब्बे के हवाले प्लेटों का अंबार उसकी आँखों में सैलाब बनकर उमड़ आया। वह दौड़ती हुई घर गई। जल्दी-जल्दी पकवानों से थैली भरी और दौड़ती हुई एक साँस में सीढ़ियाँ उतर गई..... अब वह थी और बबन की काँपती हथेलियों पर पकवान की थैली। उषा की आँखों में हजारों दीप जल उठे और पकवानों की थैली देख बबन की आँखों में खुशी के आँसू छलक आए।

१) (i) कृति पूर्ण कीजिए : १

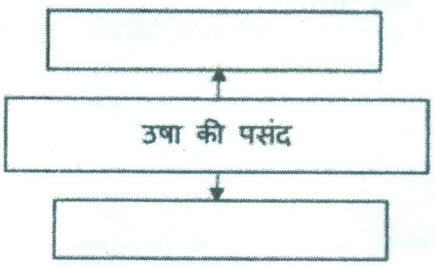

(ii) उत्तर लिखिए : १

(१) दादी के अनुसार घर में बने हुए पकवान इसके लिए हैं -

(२) बबन आटे के दीपक जेब में इसलिए रख रहा था -

२) निम्मलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए: २

(i) साँस

(ii) मिठाइयाँ

(iii) डिब्बे

(iv) पटाखा

३) 'अन्न बैंक की आवश्यकता', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। २

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए: (६)

भारतेंदु भारतीय स्वतंत्रता के पहले संग्राम के समय सात बरस के थे अर्थात १८५० में उनका जन्म हुआ था। उनकी मृत्यु ३४ वर्ष ४ महीने की अवस्था में १८८५ में हुई थी।

भारतेंदु के जन्म के समय उच्च वर्गों का बहुत बड़ा असर था। उच्च कुलों का ही सम्मान था। अत: भारतेंदु को यदि उस समय इतना अधिक महत्त्व दिया गया था तो उसमें कुछ अंश तक उनके कुल का भी प्रभाव था परंतु उनसे अधिक धनी और उच्च कुल के लोग भी मौजूद थे। उनका इतना नाम क्यों न हुआ? यही बात स्पष्ट कर देती है कि वह व्यक्ति कुल के कारण नहीं वरन् अपनी प्रतिभा और महत्त्व के कारण प्रसिद्ध हो सका था । भारतेंदु ने अपने साहित्य में कुल वर्ग का पोषण नहीं किया, यह उनके व्यक्तित्व के विकासशील होने का बड़ा सशक्त प्रमाण है। भारतेंदु ने कुल के गर्व को दुहराने के बजाय देश के गर्व को दुहराया है। भारतेंदु की बुद्धि काशी में प्रसिद्ध थी। मात्र पाँच वर्ष की अवस्था में उन्होंने कविताएँ रचना शुरू कर दिया था । तेरह वर्ष की अवस्था में भारतेंदु हरिश्चंद्र का विवाह शिवाले के रईस लाला गुलाबराय की पुत्री मन्नोदेवी से बड़ी धूमधाम के साथ हुआ। सत्रह वर्ष की उम्र में उन्होंने नौजवानों का एक संघ बनाया और उसके दूसरे ही बरस एक वाद-विवाद सभा (डिबेटिंग क्लब) स्थापित की। इस सभा का उद्देश्य भाषा और समाज का सुधार करना था। अठारह वर्ष की आयु में वे काशी नरेश की सभा बनारस इन्स्टिट्यूट और ब्रह्मामृत वार्षिक सभा के प्रधान सहायक रहे। साथ ही कवि वचन - सुधा नामक पत्र निकालना प्रारंभ किया। इन्हीं दिनों होम्योपैथिक चिकित्सालय खोला जिनमें मुफ्त दवा बँटती थी । अध्यापक रत्नहास ने किताब पर से नजर हटाई और कहा, "भारतेंदु तो फक्कड़ आदमी थे, निडर आदमी थे। साहित्य में उनकी रुचि बचपन से ही जाग्रत हो गई थी। पिता कविता करते थे। उसका असर उनपर भी पड़ा । अपनी कविताओं की धाक उन्होंने मात्र ६ वर्ष की अवस्था से ही जमा ली थी ।"

१) कृति पूर्ण कीजिए : १

(i) भारतेंदु तो ऐसे आदमी थे

(ii) भारतेंदु के प्रसिद्धि के कारण १

२) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए : २

(i) नरेश

(ii) संग्राम

(iii) चिकित्सालय

(iv) सशक्त

३) 'मनुष्य अपनी प्रतिभा से ही समाज में सम्मान प्राप्त करता है', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपना मत लिखिए । २

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (कोई दो) (६)

(१) 'मुस्कुराती चोट' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(२) टिप्पणी लिखिए - सिंह

(३) 'महत्वाकांक्षा और लोभ' पाठ के आधार पर कृतघ्नता, असंतोष के संबंध में लेखक की धारणा लिखिए।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (सिर्फ-२) २

(१) लघुकथा कारों के नाम लिखिए।

(२) रांगेय राघव जी की रचनाओं के नाम लिखिए।

(३) जैनेन्द्र कुमार जी की कहानियों की विशेषताएं लिखिए।

(४) संतोष श्रीवास्तव जी लिखित साहित्यिक विधाएँ लिखिए

विभाग - 2 : पद्य - (अंक : 20)

कृतिः २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

आज जीत की रात
पहरुए,सावधान रहना!
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।
प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंजिल का छोर,
इस जनमंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर,
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर,
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर,
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना,
पहरुह,सावधान रहना!

१) निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : २

(i) इस जनमंथन से उठ आई पहली .....

(ii) ले युग की पतवार बने अंबुधि .....

(iii) क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की विगत .....

(iv) खुले देश के द्वार अचल दीपक ..... ।

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द लिखिए। २

(i) दुख

(ii) स्वर्ग

(iii) जीत

(iv) जीवन

३) 'देश की रक्षा-मेरा कर्तव्य', इसपर ४० से ५० शब्दों में अपना मत स्पष्ट कीजिए । २

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

माखन मन पाहन भया, माया रस पीया।
पाहन मन माखन भया, राम रस लीया।।

जहाँ राम तहँ मैं नहीं, मैं तहँ नाहीं राम।
दादू महल बारीक है, द्वै कूँ नाहीं ठाम।।

दादू गावै सुरति सौं, बाणी बाजै ताल।
यहु मन नाचै प्रेम सौं, आगैं दीनदयाल।।

जे पहुँचे ते कहि गये, तिनकी एकै बात।
सबै साधौं का एकमत, बिच के बारह बाट।।

दादू पाती प्रेम की, बिरला बाँचै कोइ।
बेद पुरान पुस्तक पढ़ै, प्रेम बिना क्या होइ।।

१) (I) आकृति पूर्ण कीजिए : १

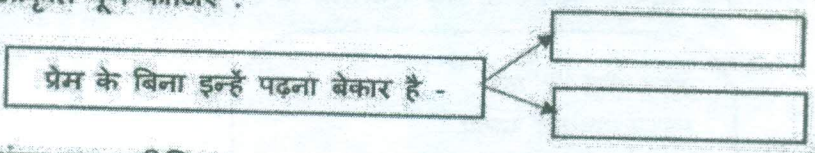

(II) अंतर स्पष्ट कीजिए - १

माया रस	राम रस

२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ वाले शब्द पद्यांश से चुनकर लिखिए: २

(१) मक्खन-

(२) पत्थर –

(३) पत्र -

(४) पुराण -

३) 'अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है', इस उक्ति पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। २

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'प्रेरणा' कविता का रसास्वादन कीजिए । (६)

(१) रचनाकार का नाम :- १

(२) पसंद की पंक्तियाँ :- १

(३) पंक्तियाँ पसंद आने के कारण :- २

(४) कल्पना :- २

अथवा

बाल हठ और वात्सल्य के आधार पर सूर के पदों का रसास्वादन कीजिए।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (सिर्फ-२) २

१) त्रिपुरारि जी की रचनाओं के नाम लिखिए।

२) गिरिजाकुमार माथुर जी के काव्य संग्रह के नाम लिखिए।

३)'तार सप्तक' के दो कवियों के नाम लिखिए।

४) निर्गुण शाखा के संत कवि का नाम लिखिए।

विभाग - 3 : विशेष अध्ययन - (अंकः 10)

कृतिः 3 (अ) निम्नलिखित संवादों के आधार पर कृतियाँ पूर्ण कीजिए । (६)

दृश्य-६

एक : इतना परेशान क्यों लग रहा है?

दो : क्या बताऊँ, खेती करने के लिए मैंने अपना घर बेच दिया । उससे जो पैसे आए उन पैसों को लेकर शहर गया और अच्छी फसल के लिए कीटनाशक दवाइयाँ लेकर आया लेकिन उससे भी कुछ फायदा नहीं हुआ । बारिश तो समय पर आती नहीं । लगता है, कहीं गलत निर्णय तो नहीं ले लिया मैंने ।

तीन : सुन, ट्यूबवेल क्यों नहीं लगवा लेता?

दो : ट्यूबवेल लगवा तो लूँ लेकिन बिजली आए तब न और पानी का स्तर भी तो कितना नीचे चला गया है ।

एक : तो क्या करेगा तू अब? और तेरे हाथ में ये छाले कैसे पड़ गए?

दो : मैंने सोच लिया है, मैं भी जल्दी फसल उगाने के लिए बाकी किसानों की तरह ज्यादा-से-ज्यादा कीटनाशक डालूँगा अपनी फसल में । प्रयत्न करने में क्या हर्ज है ।

तीन : पागल मत बन ! भूल गया कमलेश को! यही सब इस्तेमाल करने की वजह से उसके हाथ जल गए थे और आर्थिक हालत भी खराब हो गई थी । कर्जा लिया, वक्त पर नहीं दे पाया तो तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली । जरा सोच अगर तुझे कुछ हो गया तो तेरे परिवार का क्या होगा? बच्चों का क्या होगा?

दो : लेकिन मैं करूँ तो करूँ क्या? कभी बाढ़ आ जाती है, कभी सूखा पड़ता है, कभी तूफान आ जाता है। अगर यह बारिश समय पर हो जाए तो हमारी आधी मुश्किलें हल हो जाएँ।

गीत-(३)

काले मेघा ! काले मेघा ! पानी तो बरसाओ,
काले मेघा ! काले मेघा ! पानी तो बरसाओ,

१) (i) कारण लिखिए : १

किसान ट्यूबवेल नहीं लगा पाता

(१) .....

(२) .....

(ii) उत्तर लिखिए : १

कीटनाशकों के परिणाम

(१) .....

(२) .....

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिएः २

(१) आत्महत्या

(२) पानी

(३) बारिश

(४) किसान

३) 'किसानों की आत्महत्या एक गंभीर समस्या' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। २

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (४)

(१) 'विकास का सीधा असर पड़ता है लोगों की जिंदगी पर', इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(२) 'रक्तदान करना हमारा उत्तरदायित्व है', नाटक के आधार पर लिखिए ।

विभाग - ४: व्यावहारिक हिंदी/ अपठित गद्यांश/ पारिभाषिक शब्दावली (अंकः 20)

कृति:४(अ) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (५)

१) _____ ने "बहुजन हिताय: बहुजन सुखाय" के मूल मंत्र को अपनाकर जनहित में प्रसारण शुरू किया।
१. रेडियो २. दूरदर्शन ३. आकाशवाणी

२) समाचार पत्रों को _____ कहां जाता है।
१. दृश्य मीडिया २. प्रिंट मीडिया ३. श्राव्य मीडिया

३) भारत का पहला समाचार पत्र _____ है।
१. नवभारत टाइम्स २. बंगाल गजट ३. दैनिक भास्कर

४) रेडियो की शुरुआत _____ को हुई।
१. १६ मई १९२४ २. १७ मई १९३० ३. १९ दिसंबर १९५९

५) समाचार संपादक के लिए _____ परीक्षाएं देनी होती है।
१. एस.एस.सी २. एम. पी .एस.सी. ३. यू.पी.एस.सी.

(आ) उचित मिलान कीजिए: (५)

अ	ब
१. राइडर	१. पार्श्व आवाज
२. डबिंग	२. पी.टी.आई
३. प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया	३. आर .जे.
४. यूनाइटेड न्यूज़ ऑफ़ इंडिया	४. अश्वारोही
५. रेडियो जॉकी	५. यू.एन.आई

(इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

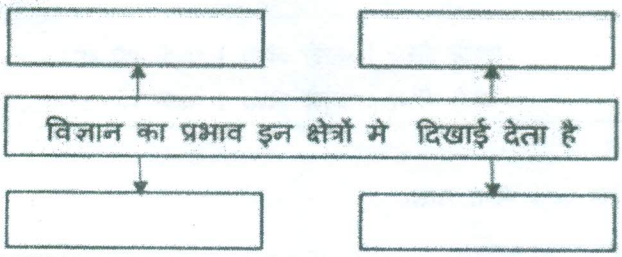

वर्तमान युग में शिक्षा और मनोरंजन, यातायात और परिवहन, चिकित्सा और आरोग्य , सभी क्षेत्र में विज्ञान का प्रभाव दिखाई देता है । विज्ञान ने आम आदमी के सोचने-विचारने का ढंग ही बदल दिया है । कल का धर्मभीरु और अंधविश्वासी व्यक्ति आज तर्कप्रिय और बुद्धिवादी बन गया है । अन्य क्षेत्रों के भाँति विज्ञान ने उद्योग-धंधों के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिए हैं । इसके फलस्वरुप औद्योगिक उत्पादन में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई है ।

विज्ञान की मदद से अनेक प्रकार की मशीनें बनाई गई हैं, जिनके द्वारा कारखानों में कम समय में ही बड़ी मात्रा में कपड़ा बनने लगा है । अब मानवनिर्मित धागों का भी अविष्कार हो गया है, जिनके कारण वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति हुई है ।

लौह-इस्पात उद्योग के उत्पाद की मात्रा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल्यांकन करने की कसौटी है । इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने ऐसी-ऐसी भट्ठियों और मशीनों का अविष्कार किया है, जिनकी मदद से लौह-अयस्क से लोहा निकाला जाता है और उसमें मैंगनीज़ आदि मिलाकर इस्पात बनाया जाता है । विज्ञान की मदद से अनेक प्रकार इस्पात या स्टील तैयार किए जाते हैं ।

२) उपर्युक्त परिच्छेद से प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढकर लिखिए । २

(१) ..... (२) .....

(३) ..... (४) .....

३) 'शिक्षा क्षेत्र में विज्ञान का योगदान' इसपर ४० से ५० शब्दों में अपना मत स्पष्ट कीजिए । २

(ई) निम्नलिखित शब्दों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए । (सिर्फ ४) (४)

(१) Average (२) Secretary

(३) Genetics (४) Data

(५) Pension (६) Notification

विभाग - ५ : व्याकरण (अंकः 10)

कृतिः ५ (अ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए । (सिर्फ २) २

(१) कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।
इहिं खाए बौराय नर, उहि पाए बौराय ।

(२) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।

(३) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून ।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुस चून ।।

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए । (सिर्फ २) २

(१) अबला जीवन हाय ! तुम्हारी यही कहानी,
आँचल में है दूध और आँखों में पानी ।

(२) जसोदा हरि पालनैं झुलावै।
हलरावे दुलराइ मल्हावै, जोइ सोइ कछु गावै।।

(३) तंबुरा ले मंच पर बैठे प्रेमप्रताप,
साज मिले पंद्रह मिनट, घंटा भर आलाप ।
घंटा भर आलाप, राग में मारा गोता,
धीरे-धीरे खिसक चुके थे सारे श्रोता ।।

(इ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (सिर्फ २) २

(१) दुकानदार ने उसको बुरी तरह से डाँट दिया । (अपूर्ण भूतकाल)

(२) मछुवा कुछ डरता हुआ मछली के पास पहुँचा था । (सामान्य वर्तमानकाल)

(३) वन भी शायद छिपकर रहता हो। (सामान्य भविष्यकाल)

(ई) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए । (सिर्फ २) २

(१) हाथ-पैर मारना

(२) आसमान के तारे तोड़ना

(३) गागर में सागर भरना

(४) दाँतों तले उँगली दबाना

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए । (सिर्फ २) २

(१) उच्च कुलों का हि सम्मान था।

(२) उसमें कुच पाणी भरा था।

(३) तुम हमको धोखा नहीं दे सखते।

****